आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 29.06.2026 समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन दिवसीय सेशेल्स यात्रा में समुद्री सुरक्षा और डिजिटल सहयोग पर सहमति बनीं। यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।
- सांख्यिकी दिवस पर प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार ने कहा कि भारत की सांख्यिकी प्रणाली विश्व की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से एक हैं और प्रणाली पीढ़ियों से राष्ट्रीय गौरव का स्रोत रही है।
- देशव्यापी खेत बचाओं के अंतर्गत टुश्नाबाद में किसानों को वैज्ञानिक और जलवायु अनुकूल खेती का प्रशिक्षण दिया गया।
- डंडस प्वाइंट से संचालित कुछ व्हीकल फेरी सेवाओं में पहली जुलाई से परिवर्तन लागू होगा।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सेशल्स की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के बाद स्वदेश के लिए रवाना हो गए हैं। यात्रा के अंतिम दिन श्री मोदी ने विक्टोरिया स्थित नवशक्ति विनयगर मंदिर में दर्शन और पूजा–अर्चना की। उन्होंने वहाँ रहने वाले भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सेशेल्स की तीन दिवसीय यात्रा दोनों देशों के संबंधों को नई गति देने वाली रही। इस यात्रा के दौरान श्री मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के साथ द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य, शिक्षा, क्षमता निर्माण, समुद्री सुरक्षा और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर और बढ़ावा देने पर सहमति जताई। इसके साथ ही हिंद महासागर क्षेत्र में अवैध मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी और समुद्री डकैती जैसी चुनौतियों पर विचार–विमर्श किया। यात्रा के दौरान यू पी आई, स्वास्थ्य, कृषि, नौवहन, अंतरिक्ष सहयोग, प्रत्यर्पण और 'लाइन ऑफ़ क्रेडिट' से जुड़े कई समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान हुआ। इसके साथ ही कल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशल्स की नेशनल असेंबली की एक विशेष सत्र को भी संबोधित किया और ऐसा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सेशेल्स का सर्वोच्च सम्मान 'गार्डियन ऑफ द ब्लू होराइजन' दिया गया है। सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने उन्हें यह सम्मान पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और ब्लू

इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए प्रदान किया। सम्मान मिलने पर प्रधानमंत्री मोदी ने सेशेल्स की सरकार और वहां की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने यह सम्मान जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रहे सभी देशों और पर्यावरण की रक्षा के लिए काम कर रहे लोगों को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री मोदी को इससे पहले भी सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र का 'चौंपियन ऑफ द अर्थ' पुरस्कार, सियोल शांति पुरस्कार और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन का 'एग्रीकोला मेडल' शामिल हैं।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. पी.के. मिश्रा ने आज नीति निर्माण और शासन के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं से प्राप्त आंकड़ों के उपयोग की आवश्यकताओं पर बल दिया। उन्होंने यह बात नई दिल्ली में बीसवें सांख्यिकी दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। श्री मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण है कि भारत को डेटा–आधारित निर्णय लेने में विशेषज्ञ बनना चाहिए ताकि नीति निर्माण और कार्यान्वयन अधिक सटीक हो सकें। श्री मिश्रा ने कहा कि भारत की सांख्यिकी प्रणाली को विश्व की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों में से एक माना जाता रहा है और यह पीढ़ियों से राष्ट्रीय गौरव का स्रोत रही है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि भारत 2047 तक केवल प्रामाणिक और त्रुटिरहित आंकड़ों के आधार पर ही विकसित भारत बन सकता है। सांख्यिकी दिवस प्रतिवर्ष 29 जून को सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में अग्रणी रहे प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य जन जागरूकता, विशेषकर युवा पीढ़ी में, राष्ट्रीय विकास के लिए सामाजिक–आर्थिक नियोजन और नीति निर्माण में सांख्यिकी के महत्व के बारे में जागरुकता पैदा करना है।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम स्थित आई सी ए आर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, ने दक्षिण अंडमान के टुश्नाबाद गाँव में टिकाऊ मृदा एवं कृषि संसाधन प्रबंधन पर जागरूकता एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन तथा कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एंजेसी, दक्षिण अंडमान के सहयोग से किया गया। वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, नियमित मृदा परीक्षण, संतुलित उर्वरक उपयोग, जैव उर्वरकों, हरी खाद तथा दलहनी फसलों के समावेश से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने पर जोर दिया। किसानों को जीवामृत और नीमास्त्र जैसे स्वदेशी जैव–इनपुट के उपयोग के

लिए भी प्रेरित किया गया, जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम हो सके। ग्रामीण कृषि मौसम सेवा के अंतर्गत मौसम आधारित कृषि परामर्श के महत्व की जानकारी देते हुए समय पर बुवाई, सिंचाई, पोषक तत्व प्रबंधन तथा कीट एवं रोग नियंत्रण के लिए मौसम पूर्वानुमान अपनाने की सलाह दी गई। मत्स्य पालन विशेषज्ञ ने वैज्ञानिक तालाब प्रबंधन, जल गुणवत्ता, संतुलित आहार और रोग नियंत्रण के उपाय बताए। किसानों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए वैज्ञानिक एवं जलवायु–अनुकूल खेती अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लगभग चालीस किसानों ने भाग लिया।

<><><><><><><>

डंडस प्वाइंट और चाथम के बीच चलने वाले व्हीकल फेरी के समय में संशोधन किया गया है। संशोधित सारणी के अनुसार डंडस प्वाइंट से सुबह नौ बजे संचालित होने वाली व्हीकल फेरी अब नौ बजकर दस मिनट पर छूटेगी।

इसके अलावा यह व्हीकल फेरी शाम तीन बजकर बीस मिनट और सात बजकर पैंतीस मिनट पर जाएगी। वहीं चाथम से दोपहर दो बजकर पचास मिनट तथा शाम सात बजकर पन्द्रह मिनट पर डंडस प्वाइंट के लिए रवाना होगी। शेष सभी व्हीकल फेरी का समय अपरिवर्तित रहेगा। यह संशोधन पहली जुलाई से लागू होगा।

<><><><><><><>

दक्षिण अंडमान के क्षेत्रीय मत्स्य कार्यालय ने अपने अधिकार क्षेत्र में पंजीकृत मोटर चालित मछली पकड़ने वाली नौकाओं के पंजीकरण निरस्तीकरण के लिए प्रस्तावित सूची जारी की है। यह कार्रवाई उपलब्ध अभिलेखों के सत्यापन तथा नौकाओं की वर्तमान भौतिक स्थिति के आकलन के बाद रियलक्राफ्ट पोर्टल पर मत्स्य नौकाओं के आंकड़ों के संशोधन एवं व्यवस्थित प्रबंधन के तहत की गई है। सहायक निदेशक मत्स्य पालन द्वारा जारी सूचना के अनुसार प्रस्तावित सूची अंडमान निकोबार प्रशासन और मत्स्य विभाग की आधिकारिक वेबसाइट, दक्षिण अंडमान के क्षेत्रीय मत्स्य कार्यालय, मत्स्य उपकेंद्रों तथा विभिन्न फिश लैंडिंग केंद्रों के सूचना पटों पर प्रकाशित कर दी गई है। इसका उद्देश्य नौका मालिकों, संचालकों एवं अन्य संबंधित पक्षों को जानकारी उपलब्ध कराना है। यदि किसी व्यक्ति को सूचीबद्ध नौकाओं के संबंध में कोई आपत्ति, दावा अथवा अन्य प्रासंगिक जानकारी प्रस्तुत करनी है, तो वह आवश्यक दस्तावेजों के साथ इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 10 दिनों के भीतर क्षेत्रीय मत्स्य कार्यालय, दक्षिण अंडमान में अपना अभ्यावेदन जमा कर सकता है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद प्राप्त किसी भी आपत्ति या दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

<><><><><><><><>

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड– सी बी एस ई ने आज त्रिभाषा नीति पर दिशा–निर्देश जारी किए। बोर्ड ने कहा कि कक्षा 10वीं के वर्तमान बैच को नई भाषा नीति का पालन नहीं करना होगा। बोर्ड ने यह भी कहा कि कक्षा 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे वर्तमान बैच के छात्रों को भी कक्षा 10वीं में पहुँचने पर तीसरी भाषा में बोर्ड परीक्षा देने की आवश्यकता नहीं होगी। बोर्ड ने कहा कि कक्षा के अनुरूप संसाधन सामग्री समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी।

<><><><><><><><>